YBS1-4

आप कै से निनित हो सकते हैं नक आप परमे·ा र के स थ अिंतक ल नित एंगे? - प्रोग्र म 4

अनाऊंसरः आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, सबसे महत्वपुर्ण धार्मिक सवाल जिसका जवाब आपको देना है/ आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप अनंतकाल परमेश्वर के साथ बिताएंगे/

डॉक्टर अरविन लुथजरः इस तरह से सोचिए, हमारे मरने के एक मिनट बाद/ एक तो हमने स्वर्ग में मसीह की सुंदरता या महीमा देखी, या हमने ऐसा कुछ देखा जो भयानक है/ जिसकी कल्पना से भी आज हम डर जाते हैं/ मतलब जब आप इसके बारे में सोचते हैं, सबसे महत्वपुर्ण सवाल हो हम कभी पुछ सकते हैं, वो है कि हम अनंतकाल कहाँ बिताएंगे?

अनाऊंसरः इस सवाल का जवाब देने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉक्टर अरविन लूथज़र/ सीनियर पास्टर हैं, मूडी मेमोरियल चर्च शिकागो इलनॉय के/ साथ ही ये इन सवालों का भी जवाब देगे/ बाइबल उनके बारे में क्या कहती है जो पहले मसीही विश्वास का अंगिकार करते हैं, और बाद में जीवन में विश्वासी होना छोड़ देते हैं/ यदि विश्वासी कुछ पापों का अंगिकार किए बिना मर जाता है/ तो क्या इससे परमेश्वर ने उसके लिए किए सारे काम बेकार हो जाएंगे? हम कैसे निश्चित जान सकते हैं, कि आज हम उद्धार पाएं हैं, कल और हमेशा के लिए उद्धार पाएं हैं? हम आपको जुड़ने का न्योता देते हैं, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, हम चर्चा करे रहे हैं कि कैसे अनंतकाल परमेश्वए के साथ बिताएगे, मै सोचता हूँ कि हरकोई इसके बारे में निश्चित होना चाहता है, सवाल ये है कि कैसे निश्चित होगे, पिछले हफ्ते हमने चर्चा की थी, धर्मी ठहराया जाना, केवल मसीह में विश्वास करने से/ ये अदभुत शब्द हैं, अर्विन, हमें सारांश बताईए, हम क्या चर्चा कर रहे हैं, ये कितना मुश्किल क्यों है/ इसे जीवित कर बताईए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर अप जानते हैं, जैसे हमने पिछली सिखा था, हमें स्वर्ग में प्रवेश करने के लिए सिद्ध होना चाहिए, और ये लोगों को चकित करेगा, क्योंकि हम सब जानते हैं अनुभव से कि हम सिद्ध नही हैं, अवश्य ही हम सब पापी हैं, लेकिन सुसमाचार ये है, कि जब हम केवल मसीह पर अपना भरोसा लाते हैं/ वो हमारे पाप लेता है, और वो हमें अपनी धार्मिकता देता है/ याने जहाँ तक प्रभु की बात है हम सिद्ध हैं/

उदाहरण के लिए, चलिए मैं यहाँ आपको एक उदाहरण देता हूँ, मैं यहाँ से ये एक किताब लेता हूँ, मुझे याद है शिकागो में, एक आदमी एडस से मर गएं, वो होमोसेक्सचुअल वेश्या हुआ करते थे, वो मसीह में उद्धार के विश्वास में आएं, और महिमामय रुप में बदल गएं, और अदभुत गवाह है, प्रभु के बचाने और माफ करनेवाले अनुग्रह की/ अब चलिए मान लें, कि ये किताब जीवनकाल और समय है, रॉज़र की/ हम इसमें देखते हैं और हम केवल देख सकते हैं, अशुद्धता, और पाप, और धोका, और पाप और आज्ञाभंग करना/ ये तो सच में बुरी किताब होगी/

लेकिन कहिए जॉन यहाँ पर दूसरी किताब है, यदि हम कल्पना करे, जो बताती है, यीशु मसीह का जीवनकाल और समय/ हम किताब खोलते हैं, ये सुंदरता की किताब है/ आज्ञाकारिता और सिध्दता की/ चलिए कहते हैं कि यीशुने सारे भागों को अपनी किताब के सारे पन्नों को निकालकर, और कहिए वो इस किताब को खोलते जो रॉज़र की है, और यीशु रॉज़र से कहता है कि मैं तुम्हारी सारी किताब की सारी चिज़ों को निकाल लूंगा, सारे पन्ने निकालकर मुझे बस कवर देना/ याने रॉज़र यीशु को कवर देते हैं/ यीशु अपने पन्नों को लेता है, और उसे रॉज़र की किताब में रखता है/ अब हमारे पास क्या है, हमारे पास है जीवनकाल और समय रॉज़र का/ यदि हम देखे तो क्या देखेगे? कुछ नही बस सुंदरता, सिद्धता, आज्ञाकारिता, पवित्रता, परमेश्वर की धार्मिकता/ सच में ये किताब इतनी सुंदर है, कि परमेश्वर भी इसकी सराहना करता है/ ये सुसमाचार है/ जहाँ यीशु मसीह की आज्ञाकारिता, और क्रूस का बलिदान, वो हमारे बदले में है/ और हम उसके काम के आधार पर उद्धार पाएं हैं/ और विश्वास के द्वारा उद्धार का अर्थ है, इसका अर्थ है कि हमें धर्मी घोषित किया गया है, यीशु ने जो किया उसके आधार पर, ये घोषणा परमेश्वर हमारे लिए स्वर्ग के

बाहर करता है/ लेकिन आज के प्रोग्राम में जॉन, हम उद्धार के दूसरे दृष्टिकोण के बारे में बताएंगे, हम चर्चा करेगे मनुष्य के दिल में परमेश्वर के काम पर/ जो इसके साथ ही होता है/ जब हम मसीह को उद्धारक मानते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी क्योंकि लोग, ये कहते हैं, ठीक है, यदि धर्मी ठहराया जाना, निश्चित घोषणा है, जो प्रभु मेरे बारे में अनंतकाल के लिए करता है/ कि मसीह के कारण अब मैं अपने पापों के लिए दोषी नही हूँ, यदि आप बदलाव चाहते हैं, हमारे पाप मसीह पर डाल दिए गएं हैं उसने इसके लिए क्रूस पर दाम चुकाया, ये मसीह की धार्मिकता है, उसका सिद्ध जीवन, उसका ट्रैक रेकॉर्ड यदि आप कहे, वो आपको और मुझे नैतिक रुप में दिया गया है/ ये घोषना है, कि अब मैं परमेश्वर के सामने मसीह में खड़ा हूँ, याने यहां लेन देन की गई रॉजर के जीवन काल में, मसीह के जीवन का भाग रॉजर की किताब में रखा गया, और अब हम मसीह में खड़े हैं, परमेश्वर के लिए सिद्ध रुप में, लेकिन लोग कहते हैं ये नैतिक घोषणा है, लेकिन वो जानना चाहते हैं, क्या हमारे अंदर कुछ हुआ है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: इसके साथ में, ये नए जन्म की बात क्या है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर यीशु के शब्दों को सुनते हैं, अवश्य ही इन बातों में वो हमारा अधिकारी है/ निकुदिमुस, जो सच में फरीसी था, अब फरीसी बहुत सी बातों में अच्छे लोग थे, लेकिन उन्हें नियम पसंद थे/ ऐसे नियम जिन्हें वो खुद नही मान सकते थे, बात तो ये थी कि वो लोगों पर बोझ डालते थे, उन्हें विधियों से लोगों को कसना पसंद था/ और कोई भी सारे विवरण और व्यवस्था नही मान सकता था/ लेकिन एक मनुष्य में परमेश्वर के लिए इच्छा थी/ वो रात के समय यीशु के पास आता है, वो नही चाहता था कि कोई जाने कि वो यीशु के पास आया है/ उसने कहा तू परमेश्वर के पास से आया शिक्षक है/ ये यूहन्ना का तीसरा अध्याय है/ क्योंकि हम जानते हैं कि जब तक तेरे साथ परमेश्वर न हो तू ये सब नही कर सकता है/ और यीशु ने ऐसे ही कहा, उससे नही पुछने पर भी वचन 3 में कहा, और इसे सुनना सबसे के लिए जरुरी है/ मैं तुम से सच कहता हूँ, यदि कोई नए सिरे से न जन्में तो परमेश्वर का राज्य देख नही सकता/

जॉन एक दिन मैं एक व्यक्ति से बात कर रहा था, उन्होंने कहा मैं विश्वासी हूँ, लेकिन मेरा नया जन्म नही हुआ/ मुझे बस यही दिखाना था, कि आप परमेश्वर के राज्य की ओर नही जा रहे हो, क्योंकि हम यीशु के अधिकार जाते हैं, जब तक नया जन्म न पाएं, हम परमेश्वर का राज्य नही देख सकते/ अब निकुदिमुस नही समझ सका कि यीशु क्या कह रहा है/ वो तुरन्त ही कारणों के बारे में सोचता है/ तो वो कहता है, मनुष्य जब बूढा हो गया तो क्योंकर जन्म ले सकता है? अवश्य ही वो माँ के गर्भ में प्रवेश कर फिर जन्म नही ले सकता/ यीशु ने उत्तर दिया, मैं तुझ से सच कहता हूँ जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्में तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नही कर सकता/

अब जब हम इसे पढते हैं तो तुरन्त ही कुछ लोग बपतिस्मा शब्द देखते हैं, लेकिन सच में बपतिस्मा शब्द यहाँ पर नही है/ लेकिन मैं आदर के साथ इसे कहना चाहुंगा, मुझे नही लगता कि निकुदिमुस ने किसी तरह से सोचा होगा कि ये बपतिस्मा है/ यीशु अपेक्षा कर रहा था कि वो इन चिज़ों को जाने, याने निकुदिमुस क्या सोच रहा होगा, जब यीशु ने कहा कि जल और आत्मा से जन्म लेना चाहिए/ उसने यहेजकेल 36 जैसे वचन सोचे होगे जहाँ परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हें शुद्ध करुंगा, मैं तुम पर पानी बरसाऊँगा, और मैं तुम्हें नया बनाकर तुम्हें नया दिल दुंगा, बाइबल में, प्रभु से धोए जाना, प्रभु से शुद्ध किया जाना, ये अकसर सीधा जुड़ा होता है, आत्मा के वचन से, और मैं सोचता हूँ कि सच में यीशु यही कह रहा था, ये पानी से बपतिस्मा लेना नही, सच में पूराने नियम में लोगों ने बपतिस्मा नही लिया था/ याजक अपने हाथ धोते थे, पैर धोते थे/ लेकिन सामान्य व्यक्ति बपतिस्मा नही लेता था/ याने किसी तरह से यीशु ये अपेक्षा नही कर रहा था कि निकुदिमुस को बपतिस्मा लेना होगा/ लेकिन निकुदिमुस ने ये जाना होगा, कि पूराने नियम में भी परमेश्वर लोगों के दिल को बदल देता था/ और कईबार इसके बारे में कहा गया था, जल का उंडेला जाना, प्रभु से शुद्धिकरण/

इसलिए कुछ अनुवाद ने इस तरह से कहा गया है/ जब तक कि तुम जल से न जन्मों, यहाँ तक, आत्मा से/ तो तुम स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नही कर पाओगे/ याने आज हम यही कह रहे हैं, कि जब कोई मनुष्य परमेश्वर द्वारा धर्मी ठहराया जाता/ जैसे हमने कहा है, तो उसी समय इसके अंदर कुछ होता है/ वो नया जन्म पाता है/

नए नियम का एक और शब्द है, नए सिरे से जन्मा/ मैं जानता हूँ ये 50 डॉलर (अर्थहिन) शब्द है/ शायद मैं इस तरह बता सकता हूँ/ यहाँ सच में प्रभु मनुष्य में एक चमत्कार करता है, और हमें नया स्वभाव देता है, जो उसके जैसा है, ये परमेश्वर के जीवन को लाना है, और प्रभु के स्वभाव को मनुष्य में लाना है/ मैं इसके बारे में बहुत ही स्पष्ट होना चाहता हूँ, नया जन्म पाने के बाद में, जॉन, सच में अब आप में ऐसा कुछ आता है जो नया जन्म पाने के पहले नही था/ क्योंकि बाइबल कहती है कि यदि कोई मसीह में है तो वो नई सृष्टि है/ पूरानी बातें बीत गई देखो, सबकुछ नया हो गया है/ याने एक नया दिल हमें दिया गया है, और खैर ये उन लोगों के लिए उत्तर है जो कहते हैं, ओ, तुम लोग, तुम ये सिखाते हो कि यीशु मसीह तुम्हारा उद्धारक है, और जैसे चाहे वैसे जीवन जी सकते हैं, खैर हमेशा निश्चित होने के लिए खतरा होता है, लेकिन, याद रखे, हम जैसे चाहते थे वैसे जीना नही चाहते हैं, क्योंकि हमें नया दिल दिया गया है, नई इच्छाएँ, और यीशु ने कहा, जब तक तुम नया जन्म न लो, तुम परमेश्वर के राज्य को न देखोगे/ याने आज लोग सुन रहे हैं, जिनका नया जन्म नही हुआ है, उन्हें बहुत ही सावधानी से सुनना चाहिए/ क्योंकि ये यीशु ने कहा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये ऐसा क्यों है कि नया जन्म, उद्धार पाना, ऐसा चमत्कार है जिसमें हमारा कोई योगदान नही?

डॉक्टर अरविन लुथजर: हम परमेश्वर के किसी भी काम में योगदान नही दे सकते, जानते हैं, जब परमेश्वर ने संसार की सृष्टि का निर्णय लिया, यदि आप और मैं वहाँ होते, अवश्य ही हम नही थे, वो ये नही कहता, खैर, ये सारा निर्माण याने तारे और सबकुछ बनाना, ये काम है/ क्या तुम मेरी मदत करोगे, जॉन/

जानते हैं, मुझे ये कहानी बताना पसंद है, मैं इसे मेरी किताब में लिखा, जॉर्ज बेवरली शे की, ये बिल्ली ग्राहम के सोलोईस्ट गा रहे थे, हेरिंगे अरीना में, 1954 में, वो ये गीत गा रहे थे, इट टुक अ मीरैकल, टू पुट द स्टार्स, इन स्पेस, और एक इंग्लिश लेडी जो इसे गलत समझी इन शब्दों को, और बाद में आकर कहा, मिस्टर शे, आपका क्या अर्थ है ये कहने से, इट टूक अमेरीका टू पुट स्टार्स इन स्पेस/ अब कुछ देशों ने अदभुत काम किएं हैं, हमने मनुष्य को चान्द पर रखा, लेकिन एक भी वैज्ञानिक नही है, जो ये प्रोग्राम देख रहे हैं, वो किसी लेबॉरेटरी में जाकर सारी दोपहर वहाँ बिताकर, एक छोटा मॉलीक्युल भी नही बना सकते/ याने जब परमेश्वर हमारे अंदर कुछ नया बनाता है, हम उसमें योगदान नही देते, हम मसीह पर विश्वास करते हैं, और इस तरह से हम बहुत आभारी हैं, कि हमने उसे ऐसा करने की अनुमती दी है, लेकिन दिन के अंत में, ये परमेश्वर का चमत्कार है, ये तुरन्त होनेवाला चमत्कार है/ जो एक निश्चित समय में होता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम ब्रेक लेगे अरविन, और वापस आने पर, उन खतरों के बारे में चर्चा करेगे, जो आपने बताया है, और उन्होंने सोचा कि नया जन्म हूआ है, और सच में नही हुआ/ लोग सभा में सामने आएं, लोगों ने अपने हाथ उठाएं, कोई प्रार्थना भी दोहराई, और कभी उद्धार नही पाया, उन्होंने सोचा कि पाया, लेकिन नही पाया/ ज़रा सोचिए दोस्तों किये कितनी गंभीर बात होगी/ और आप सोच रहे होगे कि हम क्या कहेगे, तो प्लिज़ हमारे साथ बने रहे जल्द लौटेगे/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम लौट आएं हैं डॉक्टर अरविन लूथजर से चर्चा कर रहे है, कि कैसे निश्चित हो सकते हैं, कि परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताएगे/ जो हम सब निश्चित जानना चाहते हैं, और इस पर चर्चा करते हुए हमें बात रहे थे, लोग जो गलती करते हैं, उन्होंने कुछ काम किया, चलिए इस पर चर्चा करे, याने जब हम मनुष्य का जन्म लेते हैं, इसमें दो बातें जूड़ी हुई होती है, और दिलचस्प है कि बाइबल में दो बातें हैं, जो नए जन्म के लिए योगदान देती हैं, इसे बताईए, जी हाँ/

डॉक्टर अरविन लुथजर: ठिक है, और फिर हम उन बातों पर चर्चा करेगे, सबसे पहले, जैसे माता-पिता के साथ आते हैं, और पिता अपना बीज देते हैं, और माँ उसे ओवम में लेती हैं, और इस तरह मनुष्य बनते हैं/ इसी तरह से जब यीशु नए जन्म के बारे में कहता है, ये दो चिज़ें एक साथ आती हैं, एक तो प्रभु का वचन है, कि हम वचन से

जन्म लेते हैं, क्योंकि ये सुसमाचार का सत्य है, और दूसरा परमेश्वर की आत्मा है, याने प्रभु का वचन और प्रभु की आत्मा, एक साथ काम करती कि हमारे दिल में चमत्कार करे/ ऐसा चमत्कार जिसे हम खुद नही कर सकते, इसे प्रभु से होना है, सच में जब यीशु ने कहा कि तुम्हें नया जन्म पाना है, सच में ग्रीक में कहा है कि तुम्हें ऊपर से जन्म लेना है/ याने जो लोग आज हमें सुन रहे हैं, उन्हें परमेश्वर से चमत्कार चाहिए/ ये ऐसा चमत्कार है जो मैंने पाया, जानता हूँ आप ने भी पाया है/ लेकिन इसके बिना बाइबल कहती है, हम परमेश्वर के राज्य को नही देखेगे/ और ये यीशु के शब्द हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मनुष्य का स्वभाव बच्चे का स्वभाव, इसे देखना दिलचस्प है, जब बच्चा जन्म लेता है, कहते देखो ये माँ के जैसे है, पिता के जैसे कुछ गुण है/ ये सच है/ ये सच है क्या आत्मिक रुप में भी सच है?

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल/ सच में उसके परिणाम में हमें परमेश्वर जैसे होना चाहिए/ जानते हैं बाइबल कहती है कि प्रभु जैसे हो, याने हमारे अंदर प्रभु के गुण होने चाहिए/ जानते हैं, प्रेम, आनन्द, शान्ति, और परमेश्वर की पवित्र आत्मा के सारे काम हमारे दिल में जन्म लेते हैं,

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: नैतिक गुण/

डॉक्टर अरविन लुथजर: ये परमेश्वर के नैतिक गुण हैं, अब इसका ये अर्थ नही कि हम परमेश्वर हो जाएंगे, जानते हैं ये ऐसे नही कि हम अचानक छोटे परमेश्वर यहाँ वहाँ चलते हैं, हम फिर भी मनुष्य ही रहते हैं, पूरे अनंतकाल तक/ लेकिन क्या ये जानना अदभुत नही, कि परमेश्वर अपना स्वभाव हमारे साथ बांटता है/ कि हमारे पास इस जीवन में भी मौका हो सके/ हमारी सारी मुश्किलों के साथ, पाप के साथ हमारी निरंतर मुश्किलों के साथ, हमारे पाप मौका है कि आगे बढे, कि हम परमेश्वर जैसे हो जाएं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अगले में चलते हैं और वो है, आपकी किताब में आपके पास लोगों के लिए कुछ चेतावनी है/ आपने कहा कुछ लोग सामने आएं, हाथ उठाया/ प्रार्थना की, लेकिन कभी उद्धार नही पाया/ ठीक है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, ये सच है, बिलकुल, चलिए इसमें चलते हैं, बच्चों के बारे में कहते हैं,

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बच्चा मसीही परिवार में जन्म लेता है, उसे मसीह को उद्धारक स्वीकार करना है/ वो प्रार्थना करता है, शायद वो 5 या 6 साल का है/ और बाद में वो बढता है और वो नही जानता कि उद्धार पाया, उद्धार की शाश्वति नही है, माता-पिता कहते हैं नही, नही, नही, तुमने 5 साल की उम्र में मसीह को स्वीकार किया था क्योंकि तुमने प्रार्थना की थी/ मैं इस पर स्पष्ट होना चाहता हूँ, मैं विश्वास करता हूँ कि बच्चे 5 या 6 साल की उम्र में उद्धार पा सकते हैं/ लेकिन ऐसी घटनाएं हुई जहाँ माता पिता की बुद्धिमत्ता है कि वो कहे ठीक है, यदि तुम निश्चित नही हो/ तो चलिए अब निश्चित करते हैं, तुम अपना भरोसा मसीह पर रखो और उसे अपना कर स्वीकार करो, और परिणाम में तुम शाश्वति पाओगे, विश्वास से/

चलिए मैं अपनी गवाही बताता हूँ/ मैं यहाँ हूँ, मेरी परवरिश मसीही घर में हुई, मैंने हर रात यीशु को अपने दिल में आने के लिए कहा/ मैंने कुछ अलग महसुस नही किया/ मैंने अलग काम नही किए/ मैं सोचता था कि मेरा उद्धार नही हुआ तो मैं कहाँ जाऊंगा/ 14 साल की उम्र में, मेरे माता-पिता ने मुझ से कहा, जानते हैं, हमें पता नही कि क्या तुमने मसीह पर भरोसा किया है, मैंने कहा मैंने कोशीश की है/ लेकिन इसने काम नही किया/ तो उन्होंने कहा तुम्हें ये करना चाहिए/ ये सच में विश्वास का कदम है, और फिर मैं समझा कि सबसे अच्छा शब्द ये नही कि मसीह को अपने दिल में न्योता दे/ आशा करता हूँ कि किसी समय जॉन, हम इस पर चर्चा करेगे, इसका अकसर उपयोग होता है, लेकिन ये सबसे उत्तम शब्द नही है/ जानते हैं, छोटे बच्चे कईबार कहते हैं, यदि वो भीतर आएं तो क्या खुन में भीग जाएगा? वो इसका सच्चा अर्थ लेते हैं/ सबसे अच्छी तरह से ये कहना है, यीशु क्रूस पर मरा, पापीयों

के बदले में, क्यों न तुम उसे स्वीकार कर, और उस पर भरोसा रखे कि उसने आपके पाप उठाएं हैं/ और जब मैंने 14 साल की उम्र में ऐसा किया, तो मेरे पास उद्धार की शाश्वति मिली/

याने एक खतरा तो ये है कि बच्चें,,, देखिए दूसरा खतरा है कि लोग सभा में सामने आते हैं/ अब ये बहुत ही संवेदनशिल है, ठीक है/ लेकिन कोई न्योता देता है कि आगे आकर उद्धार पाएं/ सच में समस्या है नंबर एक, उस व्यक्ति के बारे में क्या जो मेरे जैसे बहुत शर्मिले हैं, वो सामने आएं/ सैकड़ों लोगों के सामने/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: क्योंकि आपको लगा कि आप ये नही कर सकते तो अच्छा होगा कि नरक में चले जाएं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन आप मेरी गवाही सही बता रहे हैं, 10 या 11 साल की उम्र में मैंने ऐसे ही महसुस किया, मैंने कहा कि उद्धार पाने के लिए यदि मुझे आगे जाना चाहिए, तो अच्छा है कि नरक में जाऊँ/ मैं इतना शर्मिला था, जानते हैं, मेरी बहनों को मुझे बिस्तर के नीचे से खिंचना पडता था जब हम साथ में थे/ दूसरी बात है कि हम ये दर्शाते हैं कि हम सामने गएं हैं इसलिए, हमने उद्धार पाया/ ये एक और गलत बात है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये इसलिए गलत है क्योंकि लोग सामने आने की अपनी क्रिया पर भरोसा रखते हैं, या वो प्रार्थना कहते है जो उन्होंने की थी/ ये मसीह पर भरोसा करना नही है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल, मैं लोगों को चकित कर सिधा कहना चाहता हूं, प्रार्थना कभी उद्धार नही देती, कभी नही दी, और नही देगी/ इससे लोगों का ध्यान आता है/ ये मसीह में विश्वास है, ये तो मसीह पर विश्वास लाने से है, जानते हैं, क्रुस पर के चोर ने भी सच में प्रार्थना नही की/ जब उसने कहा मुझे स्मरण करना, खैर मैं सोचता हूँ ये प्रार्थना थी कि मुझे स्मरण करना जब तू अपने राज्य में आएं, लेकिन ये विश्वास था जो उस चोर ने मसीह पर रखा/ और ये संभव है कि हम सही शब्द कहे/ और डीसीज़न कार्ड साईन करे/ और फिर भी विश्वास मनुष्य के दिल में जन्म न ले/ ये अच्छा पॉईन्ड है जिस पर मैं आपको एक सच्ची कहानी बताऊंगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: कैनडा में, कुछ लोगों ने आकर उस सडक पर रहनेवाले सब लोगों को सहमत किया, उन्होंने कहा कि हम आपके लिए एवरग्रीन्स लगाएंगे/ इतने पैसे देने पर/ तो सारे पडौसी एक साथ आएं और कहने लगे, ठीक है इसे करते हैं/ तो उन लोगों ने आकर एवरग्रीन लगाएं/ कुछ हफ्तों बाद ये सब ब्राऊन होने लगी, पडौसीयों ने उन्हें और पानी दिया/ जितना ज्यादा पानी दिया उतने ज्यादा ब्राऊन हो गएं/ अंत में किसी ने जाकर देखा कि किस तरह का पेड़ लगाया है, उसे उखाड़कर देखा, कि उन्होंने जमीन में केवल डालीयाँ लगाई थी, कोई जड़ और कुछ नही था/ यीशु ने कहा हर पेड़ जो मेरे स्वर्गिय पिता ने नही बोया है/ वो निकाला जाएगा/ क्या ये अदभुत नही/ तो मैं विश्वास करता हूँ कि आज प्रोग्राम देखनेवाले, बहुत से लोग, ये कहेगे कि ओ मैं क्या कहूँ, वो शायद एवरग्रीन जैसे दिखे, एक उदाहरण के रुप में/ वो दूसरे पेड़ जैसे दिखे/ लेकिन उन में कोई जड़ नही है/ परमेश्वर ने उन्हें कभी नया नही बनाया, उन्हें कभी नया जन्म पाने का अदभुत सौभाग्य नही दिया है/ क्योंकि उन्होंने कभी,,, और मुझे ये बात पसंद है/ उन्होंने कभी उद्धार के लिए विश्वास नही किया/ और वो आगे बढे और कार्ड पर साईन किया इसलिए हमें सच में विश्वास करना चाहिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: उद्धार का विश्वास क्या है, दिमागी विश्वास के साथ तुलना कीजिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर मैं सोचता हूँ कि इसका उदाहरण इस डेस्क पर है, एक तरह से मैं विश्वास कर सकता कि ये कूर्सी मुझे थाम लेगी/ ये दिमागी रुप में सही होगा/ लेकिन ये तब तक नही होगा कि मैं बैठ जाऊँ, और कहूँ ठीक है, मैं अब भरोसा करता हूँ/ और बैठ जाता हूँ/ और जब मैं बैठ जाता हूँ, प्रभु का धन्यवाद, जॉन, ये कूर्सी मुझे थाम लेती है/ बिलकुल इसी तरह से लोग कह सकते हैं, मैं यीशु से प्यार करता हूँ, उस पर भरोसा रखता हूँ, विश्वास करता हूँ कि वो उद्धारक है/ वो दिमागी विश्वास रख सकते हैं, लेकिन, यदि मैं कहूँ, मैं सोचता हूँ कि संसार में सबसे बड़ी दूरी, वो दूरी तो सिर और दिल के बीच की है/ जब ये हो तो विश्वास होता है/ ये तो मान लेना

है असाह्य, आशाहिन पापमयता को/ जो कहता है यीशु केवल तू ही/ वो है, तू मेरा उद्धारक हो/ मैं तुझे स्वीकार करता हूँ कि तू मेरे लिए मरा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: कुछ मिनट बाकी हैं, हमें कहानी बताईए की मूसा जंगल में सांप उठाता है, कि इसे समझाए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, ये बहुत उत्साहित करनेवाली है, सच में ये यूहन्ना के तीसरे अध्याय में है/ जिसे हम देख रहे हैं, यीशु निकदीमुस से कह रहा है, जैसे मूसा ने जंगल में सांप को उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का उठाया जाना होगा कि जो भी उस पर विश्वास करे, वो अनंतजीवन पाएं/ ये कहानी याद है, लोगों में मरी फैल रही थी/ प्रभु का शाप आया, आज्ञाभंग करने के कारण, और प्रभु ने मरी भेजी/ मुसाने कहा मैं क्या करुं? और प्रभु ने कहा एक सांप बनाना, मैं सोचता हूँ कि पीतल का सांप था/ सर्प, उसे खम्भे पर लटकाना/ और जो भी इस खम्भे को देखेगा/ वो जीवित रहेगा/ अब जॉन मैं कल्पना कर सकता हूँ कि उन में कुछ साईन्टीस्ट थे, दोष निकालनेवाले, निश्चय ही होगे/ वो कहेगे इसके कुछ भी अर्थ नही है/ इसमें कौनसा संभव संपर्क हो सकता है, कि मैं उस खम्भे को देखूं और वो साँप जो मेरे बाहर है, वो मेरे शरीर की बीमारी पर कैसे प्रभाव डाल सकता है/ और इस बीमारी को बढने से रोक सकता है/ साईनटीफिकली, मेडीकली, रैशनली, इसमें अर्थ नही था/ लेकिन क्या आप जानते हैं, प्रभु ने कहा यदि तुम ऐसे करो, तो मैं चमत्कार करुंगा/

और कुछ लोग जो प्रोग्राम देख रहे हैं, कहते हैं, जानते हैं ये काम कि यीशु इतने साल पहले मर गया/ 2000 साल पहले उसकी मृत्यु का मुझ से क्या संबंद है/ इस में क्या संपर्क है? प्रभु संपर्क करता है/ और आज लोग हैं जो मसीह की ओर देखते हैं, जो मसीह की ओर देख सकते हैं, विश्वास से देखते हैं, और यीशु को देखने के परिणाम में, खम्भे पर नही क्रूस पर/ और अवश्य ही मरना और फिर जी उठना, और स्वर्ग में उठाया जाना/ जो कहते हैं मुझे वो स्वीकार करना है/ वो जानेगे, केवल वो धर्मी नही ठहराए जाएंगे, जिस पर हमने पिछले प्रोग्राम में विवरण से चर्चा की/ लेकिन और भी कुछ होगा/ एक चमत्कार होगा, उनके दिल में होगा/ और वो कहेगे मैं इसे नही समझता/ लेकिन ये हुआ है, इसे नया जन्म कहा गया है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: शायद अभी आप सुन रहे हैं, शायद निकदिमुस जैसे हो धार्मिक हो, नियम हैं लेकिन वास्तविकता नही है, और अरविन मैं चाहता हूँ आप प्रार्थना कीजीए, उन के लिए जो नया जन्म पाना चाहते है,, ये चाहते है, कि प्रभु इनके लिए ये करे/ क्या प्रार्थना करेगे/

डॉक्टर अरविन लुथजर: और जॉन मैं लोगों को बताना चाहता हूँ कि कोई प्रोग्राम देखकर कह रहे हैं, शायद मैंने बहुत पाप किए हैं, बात तो आपके बड़े पापों की नही/ या हमारे अपराध की/ बात तो ये है कि क्या आप देखना चाहते हैं, कि उस अदभुत, सुंदरता और परिपुर्णता को जो यीशु ने क्रूस पर की है/ कोई भी जो विश्वास करने की इच्छा रखता है वो निकाला नही जाएगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बिलकुल

डॉक्टर अरविन लुथजर: आईए प्रार्थना करे/ पिता हम तेरा धन्यवाद करना चाहते हैं कि यीशु हमारे लिए मरने के लिए आया/ हम धन्यवाद देते हैं कि जैसे वो क्रूस पर उठाया गया/ जो लोग विश्वास से देखते हैं, उसके वरदान को पाते हैं, हम प्रार्थना करते हैं कि आज बहुत से लोग नया जन्म पाएंगे, पवित्र आत्मा से/ क्योंकि उन्होंने जी उठे मसीह को देखा है/ और तू इन्हें ऐसी प्रार्थना करने की योग्यता दे/ प्रभु मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ/ मैं खुद को नही बचा सकता/ पाप की बीमारी, मेरे शरीर को दुषित करती, मेरे मन को दुषित करती है/ लेकिन इस पल मैं मसीह की ओर देखता हूं, मैं उसे स्वीकार करता हूँ कि उसने मेरे पाप उठा लिए/ मैं उसे स्वीकार करता हूँ, व्यक्तिगत रुप में, मेरे उद्धारक के रुप में, हे प्रभु ऐसा कर कि इन्हें अनंतजीवन की शाश्वति मिले/ यीशु के नाम में, आमीन/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये अदभुत था, अगले हफ्ते इसे आगे देखेगे, हम क्या चर्चा करेगे?

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन हम इस पर चर्चा करेगे जो कहते हैं, मैंने उद्धार पाया है, 99 बार/ और हम चर्चा करेगे कि क्या ये जानना संभव है कि हमने सारे अनंतकाल के लिए उद्धार पाया है?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: सबलोग ये जानना चाहते हैं तो हमारे साथ जुड़ जाए/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाउनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यद्द ठ्ठड़ड़्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्द्दध्र्.द्दद्धढ़

@JAshow.org

क्द्दद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ङक्ष्